कृपया प्रकाशनार्थ - **21 अक्टूबर 2009**

मूल्य निर्देशांक का आधार वर्ष बदलकर
कांग्रेस की रंगसफेदी : राम नाईक

मुंबई, बुधवार : ग्राहक मूल्य निर्देशांक याने मुद्रास्फीति का आधार वर्ष ही बदलकर देश की खस्ता हालत पर रंगसफेदी करने की कोशिश कांग्रेस सरकार कर रही है, ऐसी आलोचना पूर्व पेट्रोलियम मंत्री व भाजपा नेता श्री.राम नाईक ने आज जारी प्रेस विज्ञप्ती में की है. मुद्रास्फीति के आंकडे प्रति सप्ताह के बदले प्रति मास तथा आधार वर्ष 2004-05 करने के केंद्र सरकार के निर्णय पर श्री.नाईक टिप्पणी कर रहे थे.

"आसमान छूती महंगाई की चूभन को हल्का करने के लिएही केवल मूल्य निर्देशांक का आधार वर्ष 1993-1994 के बदले 2004-2005 करने की साजिश प्रधान मंत्री डा.मनमोहन सिंह की सरकार कर रही है. अगर आधार वर्ष बदला तो कम से कम कागज पर असली महंगाई कम दिखेगी, जिससे देश में सब कुशल मंगल है ऐसा भ्रम जनता के मन में कांग्रेस सरकार पैदा करना चाहती है. हर सप्ताह बढ रहा महंगाई निर्देशांक देख कर आम आदमी का गुस्सा बढता है. आम आदमी के आक्रोश को काबू में रखने के लिए अब महंगाई निर्देशांक भी हर हफ्ते के बदले हर महिने बदलने का निर्णय भी सरकार ने किया है", ऐसी टिप्पणी भी श्री.राम नाईक ने की.

आँकडो का खेल दिखा कर देश की आर्थिक स्थिती मजबूत है ऐसा देसवासियों को तथा दुनिया को लगे ऐसी चाहे कितनी भी कोशिश सरकार करे अब आम आदमी गुमराह नही होगा ऐसा कह कर श्री.राम नाईक ने पुछा,"ऐसे बदलावों के करण दुनिया की नजर में देश की प्रतिमा नाटी होती है यह छोटी बात क्या वित्त विशेषज्ञ प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह नही जानते ?"

(कार्यालय मंत्री)